अनाज काटने के समय आनन्दित हो।

बोआज ने अनाज काटने के समय दूसरों के साथ धन्यवाद किया।

प्रार्थना: प्यारे प्रभु कृपया बच्चों की सहायता करे, उपज काटने और दूसरे आशिषो के लिए, आपको धन्यवाद करने में। हमारी कृतज्ञता दूसरों के साथ अशिषे बॉटने में हमारी सहायता करें, जैसे बोअज ने किया।

परमेश्वर का धन्यवाद करो

बच्चे बताएं कि वह सब बातों के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें। बच्चे प्रार्थना करें और परमेश्वर का धन्यवाद करें इन आशिषों के लिए।

बड़ा बच्चा या अध्यापक याद करके रूत अध्याय 2 से कहानी सुनाए। यह बताती है किस तरह बोआज ने कटनी के समय रूत से दयालुता का व्यवहार किया।

बोआज ने कैसे अपने धन्यवाद को दूसरों के साथ बॉटा, इस कहानी का नाटक प्रस्तुत करें। आराधना अगुवो के साथ बच्चो को यह नाटक बड़ो के लिए प्रस्तुत करने को प्रबन्ध करें। बच्चो को पढ़ाते समय नाटक तैयार करो। बड़े बच्चे छोटो की मदद करें। आप नाटक का कुछ भाग कर सकते हैं।

- अगर सारे हिस्सों के लिए प्राप्त लोग नहीं है, तो वर्णनकर्त्ता बताए किसको कौनसा हिस्सा करना है और पढ़े।
- कलाकार अपनी लम्बी बातें सीधे बाइबल से पढ़ सकते हैं।
- बड़े लोग या बच्चे बोअज, रूत नयोमी, सेवक और वर्णनकर्त्ता का अभिनय करें। रूत एक बड़ी बोरी और दूसरे बर्तन गेहूँ रखने के लिए लाए।

छोटे बच्चे मुख्य फसल काटने वाला और बहुत उपज काटने वालो का पात्र करें। कुछ उपज काटने वाले दराती प्रयोग करने का दिखावा करें (बड़े हत्थे में तेजधार फल जिससे गेहूं की बालियां काटते हैं)

वर्णनकर्त्ता: रूत अध्याय 2 बताता है कैसे बोआज, एक किसान, रूत को दयालुता दिखाता है उपज काटने के समय, जो कि एक विधवा है।

उपज काटने वाले: कुछ गेहूं और बालियॉ काटने का बहाना करते हुए। दूसरे उसको गट्टर में बांधते हुए और एक तरफ लेजाकर इकठ्ठा करते हुए। यह तब करो जब दो औरतें बातें कर रही हो।

रूत: उपज काटने वालो को इशारा करते हुए नयोमी से कहती है (रूत 2:2) "नयोमी, मेरी प्यारी सास, कृपया, मुझे खेत में जाने की आज्ञा दे कि कुछ सीला बीनू, जहाँ मैं किसानो से स्नेह पाऊँ।"

नयोमी: मेरी बेटी, जा। (रूत कुछ समय तक उपज काटने वालो के पीछे चलता है और सीला बीनने तथा बोरी में रखने का दिखावा करती हैं)

बोआज: उपज काटने वालो, नमस्ते। परमेश्वर तुम्हारे साथ हो।

सेवक: (उपज काटने वालो के खड़े होकर) नमस्ते, बोआज, परमेश्वर आपको आशिष दे।

बोआज: रूत को देखते हुए, फिर सेवक से कहता है, "यह जवान स्त्री किसकी सम्बन्धी है?"

सेवक: (अध्याय 2:6-7) यह वही मोयाबिन स्त्री है, जो मोयाब देश से नयोमी के संग लौट आई हैं उसने कहा था, कृपया मुझे फसल काटने वालो के पीछे-पीछे पूलो के बीच सीला बीनने की आज्ञा दे।

बोआजः (रूत से कहा, 2:8-9) हे मेरी बेटी ध्यान से सुन। किसी दूसरे के खेत में सीला बीनने मत जाना, यहीं मेरी दासियो के संग रहना। जिस खेत को वे लवती हो उसी पर तेरी दृष्टि लगी रहें और जहाँ वह जाए उनके पीछे-पीछे लगे रहना। मैंने सेवको को आज्ञा दे दी है कि वे तुझे स्पर्श न करें। जब तुझे प्यास लगे तो घड़ों के पास जाना और उस पानी में से पीना जिसे जवान लोग भरते हैं।

रूतः तब वह भूमि पर मुँह के बल गिरी और उससे बोली, मैं एक परदेशिन हूँ। क्या कारण है कि तेरे अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर हुई और तूने मेरी सुधि ली है (रूत 2:10)

बोआजः जो कुछ तू ने अपनी पति की मृत्यु के बाद अपनी सास से किया और तू किस प्रकार अपने माता पिता और अपनी जन्मभूमि को छोड़कर ऐसे लोगों में आई हैं जिनको तू पहले से न जानती थी, यह सब मुझे पूरी तरह बताया गया है। यहोवा तेरे कार्य का फल दे और इस्राएल का परमेश्वर यहोवा जिसके पँखों तले तू शरण लेने आई हैं तुझे पूरा बदला दे। (रूत 2:11-12)

रूतः मेरे प्रभु, तेरे अनुग्रह की दृष्टि मुझ पर हुई हैं और तू ने मुझे सांत्वना दी है और सचमुच अपनी दासी से दयापूर्वक बातें की है यद्यपि मैं तेरी दासियो में से किसी एक के समान भी नहीं हूँ। (रूत 2:13)

बोआजः यहाँ आ, अपनी रोटी को सिरके में डुबा!! (रूत 2:14)

वर्णनकर्त्ताः वह फसल काटने वालो के साथ बैठ गई और उसने उसे भुनी हुई बालें दी और वह खाकर तृप्त हुई वरन् कुछ बचा रखी। (रूत 2:14-15)

बोआजः वह सेवको के पास गया और उनसे कहा, उसे फूलो के बीच में से भी बीनने दो और उसे न झिड़को। और तुम उसके लिए फूलों में से जान बूझकर कुछ बालें गिराते जाना कि वह उन्हें बीनती जाए और उसे न झिड़कना। (रूत 2:15-16)

वर्णनकर्त्ताः रूत शाम तक खेत में बीनती रही। तब जो उसने बीना उसे फटका और वह लगभग एपा भर जो निकला। वह उसे उठाकर नगर में ले गई और जो उसने बीना था उसे उसकी सास ने देखा। (रूत 2:17-18)

नायोमीः तूने कहाँ बीना और कहाँ कहाँ काम किया? वह जिसने अपनी करूणा दिखाई अशिषित हो। वह मनुष्य यहोवा की आशिष से भर जाए जिसने न तो जीवित लोगों पर से और न मरे हुओ पर से अपनी करूणा हटाई (रूत 2:19-20)

वर्णनकर्त्ताः जिन्होने सहायता की सबको धन्यवाद। फिर बताओ "बोआज और रूत की शादी हो गई। उनका बेटा ओबेद जो यिशै का पिता बना, जो दाऊद का पिता बना। दाऊद इस्राएल का महान राजा था, जिसके बारे में बाइबल में किसी भी मनुष्य से ज्यादा कहा गया है, सिर्फ यीशु को छोड़कर। यीशु बोआज और रूत के वंश से है।

बच्चे गेहूं के फूलो और फसल काटने के हासियाँ का चित्र बनाए। वह बड़ों को यह चित्र दिखाए और समझाए कि हमें अच्छे उपज और आशिषो के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए।"

रूत 2:12 याद करें।

धन्यवाद करने के लिए पदः दो बच्चे यशायाह 9:3 और 2 कुरिन्थियो 9:11 दोहराए।

बड़े बच्चे गाना, कविता या संक्षिप्त नाटक लिखे जिसमें लोगों को अच्छी उपज और दूसरी बहुत सी आशिषो के परमेश्वर को धन्यवाद करते दिखाया है।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net